Sample paper
class seven
Hindi

1 दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिये।
1x9 = 9

मानवता का उद्देश्य और मानव जीवन की सार्थकता , केवल इसी में है कि वह अपने कल्याण के साथ दूसरों के कल्याण की भी सोचे। उसका कर्त्तव्य है कि स्वंय उठे और दूसरों को भी उठाएँ। आर्त और दीन की करुणा भरी पुकार से , बड़ी-बड़ी आँखों में छलकते हुए आँसुओ से , अशसक्त और असहाय की याचनापूर्ण करुणा दृष्टि से , जिसका हृदय द्रवीभूत न हुआ , तृप्ति और भूखो को अपने पेट पर हाथ फिराते हुए देखकर जिसने अपने सामने रखा हुआ भोजन नहीं दे दिया , अपने पड़ोसी के घर में लगी हुई आग को देखकर जो उसकी रक्षा के लिए एकदम कूद न पड़ा , कल की दमकती हुई चुनरी और सुहाग भरी चूड़ियों को उतरते और फूटते देखकर जिसका हृदय दुखी नहीं हुआ , नदी की निष्ठुरता के कारण बहते हुए शिशुओं और रोती हुई माताओं को देखकर उनकी प्राण रक्षा के लिए जो सहसा जल राशि में कूद न पड़ा , वह मनुष्य नहीं पशु है। तुम्हारे पास यदि धन है तो निर्धनों की सहायता करो , यदि शक्ति है तो अशक्तों को अवलंब दो , यदि विद्या है तो वाद-विवाद मत करो , अपितु उसको अशिक्षितों में वितरित करो , तभी सच्चे मनुष्य कहलाने के अधिकारी हो सकोगे। मानव कहलाने के अधिकारी हो सकोगे। मानव जीवन का उद्देश्य केवल इतना ही नहीं कि खाओ पीओ और मस्त रहो। त्याग और बलिदान ही हमारी संस्कृति के मूल भाव हैं क्योंकि- " परहित सरिस धरम नहि भाई। "

क) मानव जीवन की सार्थकता किसमें निहित है ?

(i) देश की रक्षा करने में।

(ii) अपने कल्याण हेतु कार्य करने में।

(iii) मानव जीवन की सार्थकता इसी में है कि वह अपने कल्याण के साथ दूसरों के कल्याण की भी सोचे।

(iv) परोपकारी कार्य करने में।

ख) किन-किन परिस्थितियों में मानव का हृदय द्रवित होता है ?

(i) दूसरों के द्वारा उन्नति करने पर।

(ii) दूसरों के दुखों पर शोक मनाकर।

(iii) अपनी असफलता पर।

(iv) आर्त और दीन की करुणा भरी पुकार से, दूसरों को रोते देखकर, भूखे को देखकर, पड़ोसी के घर

लगी आग देखकर मानव का हृदय दुखी होता है।

ग) मनुष्य सच्चा मनुष्य कहलाने का अधिकारी कब बनता है ?

(i) यदि वह दूसरों की सहायता करे।

(ii) दूसरे के दुख को अपना समझे।

(iii) जीवन का उद्देश्य परोपकार बनाए।

(iv) दिए गए सभी।

घ) मानव जीवन का उद्देशय क्या होना चाहिए?

(i) जीवन का आनंद उठाना।

(ii) जीवन में हर पल नवीनता का संचार करना।

(iii) स्वार्थ से ऊपर उठकर त्याग और बलिदान को अपनाना।

(iv) दूसरे के जीवन में हस्तक्षेप करना।

ड़) उपर्युक्त गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक बताइए।

(i) मनुष्य (ii) परोपकार

(iii) मानवता (iv) इनमें से कोई नहीं।

च) यदि मनुष्य के पास धन है तो उसे क्या करना चाहिए ?

(i) धनी लोगों की सहायता करनी चाहिए।

(ii) महल बनवाने चाहिए।

(iii) निर्धनों की सहायता करनी चाहिए।

छ) ' निर्धन ' शब्द का विलोम लिखिए।

(i) अमीर (ii) निर्धनी (iii) धनी

ज) यदि मनुष्य के पास विद्या है, तो उसे क्या करना चाहिए ?

झ) " परहित सरस धर्म नहीं भाई " पंक्ति का मूल भाव क्या है ?

2 अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए।
1x6 = 6

इंद्रदेवता कोटर में तोते से आकर यूँ बोले।
' सब पक्षी उड़ गए यहाँ से तुमने पंख न खोले।
रहने लायक हरे वृक्ष देखो हैं कितने इस वन में ?
सूख गया वट वृक्ष गिरेगा , सोच रहे हो क्या मन में?'
तोता बोला , 'इंद्रदेव! मैंने कोटर में जन्म लिया।
वट के फल खाए, इसने रक्षा की, सम्मान दिया॥

सुख-संपत्ति के साथी, विपदा आए करें किनारा।
देवराज! अब स्वंय बताओ क्या कर्त्तव्य हमारा?'
इंद्र हुए खुश, बोले , 'प्रिय! जो माँगो वह वरदान मिले।
तोता बोला, 'देव! कृपा से हरा-भरा यह ठूँठ खिले॥'
तथास्तु ' कहकर देवराज फिर दिए न कहीं दिखाई।
हरा-भरा वट वृक्ष हुआ फिर हरियाली लौट आई॥

जननी जन्मभूमि की खातिर कितना मन बलिदान।
मन प्राणों में जगी रहे, तोते की यह अमर कहानी॥

क) इसमें 'तोता' किसका प्रतीक है?

(i) देशभक्त नागरिक का

(ii) स्वार्थी देशभक्त का

(iii) बलिदानी सैनिक का

(iv) दीन-हीन देशवासी का

ख)' सुख-संपत्ति के साथी ' में किन पर व्यंग्य है ?

(i) केवल सुख-भोग करने वाले साथियों पर।

(ii) सुख पाने में सहयोग करने वालों पर।

(iii) दुख में किनारा करने वाले साथियों पर।

(iv) सुख-संपत्ति के साझीदारों पर।

ग)' वरदान ' का विलोम लिखिए-

(i) श्राप (ii) अभिशाप (iii) दंड (iv) उपहार

घ) हरा- भरा वट-वृक्ष किसका प्रतीक है ?

(i) समृद्ध प्रांत (ii) फलदार पेड़

(iii) समृद्ध जन्मभूमि (iv) आश्रयदाता

ड़) यह कविता क्या प्रेरणा देती है?

(i) देशभक्ति की (ii) आत्मबलिदान की

(iii) देशहित बलिदान की (iv) समर्पण की

च) प्रस्तुत काव्यांश का शीर्षक चुनिए।

(i) देशभक्ति (ii) स्वार्थी देशभक्त

(iii) दुख-सुख के साथी

3 घर में होने वाले किसी समारोह का वर्णन करते हुए मित्र को पत्र लिखिए। 5

अथवा

प्रधानाचार्य को वृद्धाश्रम जाने की अनुमति माँगने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

4 किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।
5

(i) हमारे भारतीय व्यंजन

(ii) परीक्षा के दिन

(iii) यदि मैं वृक्ष होता

5 ' नवरत्न ' आईस्क्रीम या ' अप्परबेयर बोतल ' पर एक विज्ञापन तैयार कीजिये।
5

6 भाववाचक संज्ञाएँ किस प्रकार के शब्दों से बनती हैं? उदाहरण सहित लिखो। 4

7 अनुस्वार एवं अनुनासिक में क्या अंतर हैं?
4

8 इका ,नी , आइन जोड़कर तीन स्त्रीलिंग शब्द बनाइए।
3

9 आदरार्थक बहुवचन से आप क्या समझते हैं ? दो उदाहरण दीजिए।
3

10 विलोम शब्द (किन्ही दो)
1x2 = 2

आकर्षण , आगामी , अमृत

11 पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिये।

दिव्या अनिल की छोटी बहिन है यो तो वह शुरुसे ही कमजोर है,
लेकिन कुछ दिनों से उसे हर समय थकान महसूस होती है ,
भूख भी कम लगती है। अस्पताल में उसे डॉक्टर ने देखा तो कहा ,
लगता है दिव्या के शरीर में रक्त की कमी होगयी है जांच कराकर देखते है।
डॉक्टर दीदी ने दिव्या की ऊँगली से रक्त की कुछ बूंदे लेकर छोटी सी शीशी में डाल दी,
फिर अनिल से अगले दिन आने को कहा। अगले दिन डॉक्टर नै अनिल को बताया,
की दिव्या को एनीमिया है।अनिल ने एनीमिया के बारे में पूछा। दीदी नै बताया कि
रक्त लाल द्रव के समान दिखता है ,किन्तु इसे सूक्ष्मदर्शी द्वारा देखे तो यह भानुमति
के पिटारे से कम नहीं इसके एक भाग को जो तरल होता है, उसे प्लाज्मा कहते है।
दूसरे जो रंगहीन कण होते है उन्हें बिम्बाणु (प्लेटलेट) कहते है।

क) डॉक्टर नै दिव्या की जांच करके क्या कहा?
1

ख) दिव्या कौन थी ?उसे अनिल अस्पताल क्यों लेकर आया ?
2

ग) प्लाज्मा किसे कहते है ?
2

घ) क्या मनुष्य को रक्त दान करना चाहिए? यदि हाँ तो क्यों ?
4

12 प्रस्तुत काव्यांश को पढ़कर प्रश्नो के उत्तर दो।

अचानक बोला मोर -
जैसे किसी ने आवाज दी-
' सुनते हो ' ।
चिलम औंधी
धुँआ उठा -
सूरज डूबा
अँधेरा छा गया।

क) अचानक कौन बोला?
1

(i) कौआ (ii) चील (iii) मोर

ख) सूरज डूबने पर क्या हुआ ?
2

ग) ' चिलम औंधी ' होने से क्या तात्पर्य हैं?
2

12 आपके माता-पिता के ज़माने से लेकर अब तक फेरी की आवाजों में कैसा बदलाव आया हैं?

विचार कीजिए।

5

13 अपनी किन-इच्छाओं को पूरा करने के लिए पक्षी पिंजरे से बाहर निकलने के लिए व्याकुल होते हैं? ।

5

14 क) कठपुतली को गुस्सा क्यों आया ?

2

ख) पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगी ? 3

Answers

(1 marks ans)

11 क) डॉक्टर ने दिव्या की जांच करके कहा कि दिव्या के शरीर में रक्त की कमी हो गयी है।

(2 marks ans)

ख) दिव्या अनिल की छोटी बहन थी। अनिल उसे अस्पताल लेकर गया क्योंकि वह बहुत कमजोर

हो गयी थी। उसे हर समय थकान महसूस होती , उसे भूख भी पहले से कम लगने लगी थी।

ऐसे में अनिल ने दिव्या को डॉक्टर को दिखाना ही उचित समझा ।

(3 marks ans)

14 ख) जब पहली कठपुतली ने स्वतंत्र होने के लिए विद्रोह किया तो दूसरी कठपुतलियों को भी यह बात बहुत

अच्छी लगी क्योंकि परतंत्रता से रहना कोई पसंद नहीं करता। कठपुतलियाँ भी बंधन में दुखी हो चुकी थी

लेकिन ऐसा संभव ना हुआ।उनका जीवन दुसरो के अधीन ही रहकर बीतना था।

(4 marks ans)

11 घ) हाँ, मनुष्य को रक्त दान करना चाहिए। रक्त दान केवल मनुष्य ही कर सकता है किसी दुर्घटना या

बीमारी के कारण यदि एकदम किसी को रक्त की आवश्यकता पड़ जाए तो ब्लड बैंक से रक्त लिया जाता

है। ब्लड बैंक में रक्त की कमी ना हो इसलिए हमें रक्त दान करना चाहिए। रक्त दान द्वारा हम किसीका

जीवन बचा सकते है। जो मनुष्य स्वस्थ होते है उन्हें सदा रक्त दान करते रहना चाहिए।

(5 marks ans)

13 हर जीव-जंतु को स्वतंत्रता से रहने का अधिकार है। पक्षी भी हम मनुष्य की तरह स्वतंत्रता से खुले गगन में

दूर-दूर तक उड़ना चाहते है। पक्षी पिंजरे से बाहर निकलने के लिए व्याकुल हैं।नदी झरनों का बहता जल

पीने, तेज गति से उड़ान भरने, नीले आकाश की सीमा तक उड़ने, पेड़ की डाली पर झूलने,कड़वी

निबोरियाँ खाने और अनार रूपी दाने चुगने हेतु पक्षी पिंजरे से बाहर निकलने के लिए व्याकुल होते हैं ।

This Document Created Using -
http://www.indiatyping.com/english-to-hindi-typing/